पर ऐसी अंडरटेकिंग के आधार पर कि इसका दुरुपयोग नहीं होगा, आप लाइसेंस देने की सुविधा उपलब्ध करायेंगे ? मेरे प्रश्न का "ख" भाग यह है कि क्या प्रयोग के लिए आप लोक सभा के सदस्य और राज्य सभा के सदस्यों को अपने राज्य और अपने इलाकों के लोगों से सीधा सम्पर्क स्थापित करने के लिए ऐसे रेडियो के लाइसेंस की अनुमति देंगे क्योंकि आपने पिछले दिनों में एक सब्सिडाइज रेट पर हाटलाईन लगाने के लिए मेंबर आफ पार्लियामेंट के लिए एक प्रावीजन दिया था, जोकि चालू नहीं हो सका।

क्यों उस रेडियो के माध्यम से यह संचार स्थापित किया जा सकता है ?

श्री सुखराम : सभापति, मुझको नहीं मालूम कि विदेशों में उसके लिए महज अंडरटेकिंग देनी पड़ती है, एक्जामिनेशन नहीं होता। मगर हमारे यहां तो अभी जो कायदा है, वह एक्जामिनेशन का है और वह भी कोई बड़ा ऐसा एक्जामिनेशन नहीं है, मैट्रिकुलेशन के स्टेण्डर्ड के लोग उसमें अपियर हो जाते हैं। अब यह बात देखने की है कि आया अंडरटेकिंग पर दिया जा सकता है कि नहीं दिया जा सकता। वह बात एक्जामिन करके ही मैं कह सकता हूं। मगर जहां तक लोक सभा और राज्य सभा के सदस्यों को यह लाइसेंस देने का प्रश्न है, मुझको तो बड़ी खुशी होगी कि सभी माननीय सदस्य हैम आपरेटर बनें और जब स्व० राजीव गांधी जी हैम आपरेटर हो सकते थे, वह तो प्रधान मंत्री भी थे—हमारे जो सदस्य साहेबान हैं, वह भी उसमें रुचि लें और जितनी सुविधा विभाग से हो सकती है, वह सुविधा जुटाने की मैं पूरी कोशिश करूंगा।

Telephone services in Haryana

*22. SHRI S. S. SURJEWALA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) whether Government are aware that the telephone service in Haryana (North and West) covered by Harya Telephone Circle is defective as major of the telephones remain completely partly out of order;

(b) whether it is a fact that the te phone services are suffering from a nu ber of defects, such as being held 1 dead, getting wrong number, cross c< nected, one-way speech and defective at tective retering, which results in excessive tel phone bills;

(c) if so, whether Government p pose to compensate the subscribers the above system faults; if so, in wl manner and under which scheme;

(d) whether it is a fact that the to phone service at Narwana, Jind is one the Circle as the telephone Exchange r chinery is out- dated and defective; and

(e) whether Government propose convert the Exchange into electronic it change, if so, by when?

THE MINISTER OF STATE OFT MINISTRY OF COMMUNICATION (SHRI SUKH RAM); (a) No, Sir. M of telephones in North and West H yana do not remain completely or pan out of order.

(b) No, Sir.

(c) Does not arise in view of above.

(d) No, Sir. Narwana Exchange commissioned in 1988 with new eqi ment on completion of pre commissi ing tests. The electro.mechanical change as Jind is supplemented by 1 lines electronic exchange which serves ths heavy callers.

(e) Electromechanical Exchange Jind is targetted for replacement Electronic Exchange during the 8th P There is no proposal newly installed change at Narwana at present.

श्री एस०एस० सुरजवाला : चेयरमैन साहब, यह इतने अच्छे मंत्री हैं, ' इनका जवाब टोटली नेगटिव है। मुझे यह पूरी उम्मीद है कि यह उत्तर जवाब नहीं है, बल्कि महकमे के

अधिकारी जो स्वयं इस बात के लिए कसूरवार हैं, उन्होंने अपने ही बारे में– एक जो कोई आदमी जिसका खुद कसूर है, वह खुद ही अपने रिपोर्ट लिखे, तो जाहिर है कि यह सच्चाई के ऊपर आधारित नहीं है।

श्री रजनी रंजन साहू : यह मत कहिए कि यह मंत्री का जवाब नहीं है, मंत्री का जवाब है।

श्री एस०एस० सुरजेवाला : मंत्री का जवाब उन अधिकारियों की रिपोर्ट पर आधारित है, जो अधिकारी खुद इस बात के लिए कसूरवार और जिम्मेवार हैं कि टेलीफोन ठीक नहीं रहते हैं। यह सब का अपना व्यक्तिगत तजुर्बा है कि टेलीफोन जो हैं, उनका एक किस्म का डिफैक्ट नहीं है, बल्कि आम तौर पर गलत नम्बर मिलना, डेड रहना, क्रास टाक होना और वन-वे स्पीच और डिफैक्टिव मीटर, बिल अदा आते हैं। यह सब का अपना एक्सपीरिएंस है। तो मैं मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि जो उनकी इनफर्मेशन है, यह इनफर्मेशन कौनसी रिपोर्ट के ऊपर, किसकी रिपोर्ट के ऊपर आधारित है ? क्या उन्होंने कोई इंडिपेंडेंट इंक्वायरी जो महकमे के अधिकारियों से इंडिपेंडेंट हो, क्या कोई ऐसी इंक्वायरी करवा करके यह बात कह रहे हैं कि कोई टेलीफोन खराब है ही नहीं।

अगर उनके महकमे की यह रिपोर्ट है, तो क्या मंत्री महोदय कोई और इंडिपेंडेंट एजेन्सी कायम करेंगे इन सारी बातों का पता करने के लिए, मानिटर करने के लिए, ताकि आगे के लिये पब्लिक को सुविधा हो—यह मेरे सप्लीमेंट्री के दो पार्ट हैं।

श्री सुखराम : सर, माननीय सदस्य तो मंत्री रह चुके हैं और बड़े-बड़े महकमे इनके पास थे। अब यह तो जो इंक्वायरी का सिलसिला है, तो वह इंक्वायरी रिपोर्ट कौन देता है, यह आप भी जानते हैं। मगर जो प्रश्न है, चाहे वह राज्य सभा का है या लोक सभा का है,..... जब हम प्रश्न को विभाग को देते हैं तो जो फील्ड लेविल पर आफिसर्स हैं वे उसका उत्तर बनाकर देते हैं। अब जो फैक्चुअल है उसको तो मैं अपनी मर्जी से बदल नहीं सकता हूं। मगर एक बात मैं जरूर कह सकता हूं कि हर प्रश्न के ऊपर इन्क्वायरी करके रिप्लाई आये ऐसा तो मुमकिन नहीं हो सकता है। अगर माननीय सदस्य को यह शंका हो कि ये जो तथ्य है ये ठीक नहीं हैं तो मैं उनको मैं किसी दूसरे-हमारे विजिलेंस का जो महकमा है उसके माध्यम से मालूम करा सकता हूं। इसमें शिकायतें हो सकती हैं। माननीय सदस्य अगर मुझको कोई स्पेसिफिक केसेज बताएंगे तो मैं उनको जरूर देखूंगा।

श्री एस० एस० सुरजेवाला : सभापति महोदय, मैं मंत्री जी से यह बात जानना चाहूंगा कि उन्होंने यह जवाब दिया है मेरे सवाल का कि–

Majority of the telephones in north and West Haryana remain completely or partly out of order.

अगर मोस्ट आफ द टेलीफोन्स आउट आफ आर्डर नहीं हैं तो उनकी जानकारी में कितने टेलीफोन्स टोटल हैं और उनमें से कितने आउट आफ आर्डर हैं, नम्बर एक।

दूसरा इसका पार्ट यह है कि दुबारा से मैं यह बात कहना चाहूंगा कि क्या कोई इंडिपेंडेंट इन्क्वायरी, उदाहरण के तौर पर कोई परमानेंट ऐसा विभाग के अंदर सेल बनाएंगे जिसमें कोई आई. ए०एस० आफिसर या किसी और कैडर का आफिसर हो जो महकमे का न हो, जो कंटीनुअसली मानीटर करे इस बात को—जो पब्लिक की कंप्लेंट्स हैं ताकि उनका रिड्रेसल हो सके। क्या मंत्री महोदय करेंगे, ऐसा आश्वासन देंगे ?

श्री सुखराम : यह ऐसा हमारा जो विस्तार है, सारे देश में है। ऐसा हर

जगह के लिए इन्क्वायरी करना और कोई ऐसा और विभाग स्थापित करना, इसके मायने यह होंगे कि जितना हम रेवेन्यू जनरेट करते हैं जिसके जरिये टेलीफोन की एक्सपेंशन भी करते हैं, उसका मार्डनाइजेशन भी करते हैं उसका एक हिस्सा फिर इस्टेब्लिशमेंट पर लग जाएगा। हमारे पास एक विजिलेंस का डिपार्टमेंट है और विजिलेंस के डिपार्टमेंट के माध्यम से जहां जहां ऐसी शिकायतें आती हैं, उसके माध्यम से हम मालूमात करते हैं। उसमें कहां तक सच्चाई है—मगर इसके लिए अलग से महकमा स्थापित करना..(**व्यवधान**) मैं समझता हूं कि ठीक नहीं है। मगर माननीय सदस्य की भावना की मैं कद्र करता हूं। हो सकता है कि जो उनकी इन्फारमेशन हो वह ठीक हो। उसमें मैंने पहले ही कहा है कि मैं उसमें छानबीन कराउंगा कि वाकई वहां टेलीफोन खराब रहे हैं, किस हद तक खराब रहे हैं और कितने खराब रहे हैं, वह सूचना तो मेरे पास नहीं है।

MISS SAROJ KHAPARDE: Sir, I would like to ask a supplementary not on this question but on the next question.

श्री लक्खीराम अग्रवाल : मैं मंत्री महोदय से कहना चाहूंगा कि ये जो एस. टी. डी. सेवाएं हैं मध्य प्रदेश में विशेषकर, उसमें लम्बे-लम्बे बिल आते हैं, बीस-बीस हजार, चालीस-चालीस हजार के। उपभोक्ताओं की शिकायतें हैं कि एक हजार, दो हजार के भी ट्रंककाल नहीं होते हैं। उनका विवरण मांगने पर—टेलीफोन काल्स का—कोई विवरण नहीं दिया जाता है। पैसा नहीं बांटने से निश्चित अवधि में टेलीफोन काट दिया जाता है। क्या मंत्री महोदय ऐसी कोई व्यवस्था करेंगे कि उसका विवरण दें, जांच करें फिर उसके बाद टेलीफोन काटने की व्यवस्था हो, नहीं तो फाल्स बिल्स आते हैं और टेलीफोन काटने के नाम पर उसको वसूल किया जाता है। उसका विवरण देकर, उसकी जांच करवाकर उसके जो कोई कार्यवाही हो, क्या कोई ऐसी व्यवस्था करेंगे मंत्री जी?

श्री सुखराम : इसी प्रकार का प्रश्न काफी पहले आया था और जो मेरे प्रेडेसेसर थे उन्होंने आश्वासन दिया था, गालिबन इसी माननीय सदन के सदस्यों की एक कमेटी बनाई थी और उन्हीं को यह मामला सौंपा था कि आप उनको देखें। उसमें से एक सदस्य तो मंत्री बन गये हैं..(**व्यवधान**) अब मैं एक और उनकी जगह डालने वाला हूं मगर वह...(**व्यवधान**)

श्री विठ्ठलभाई मोतीराम पटेल : कमेटी ने फंक्शन किया ही नहीं है। कमेटी कभी मिली नहीं।

श्री सुखराम : मैं वही कहने वाला कि कमेटी बनी मगर कमेटी ने कोई फंक्शन किया नहीं। अगर आप चाहें..(**व्यवधान**)

श्री अनन्तराय देवशंकर दवे : कमेटी पूरी रही नहीं तो कैसे फंक्शन हो?

श्री सुखराम : मंत्री तो अब बने कमेटी बहुत पहले बन चुकी थी।

श्री लक्खीराम अग्रवाल : क्या सारे देश की शिकायतें पर यह कमेटी विचार करेगी?

श्री सुखराम : कमेटी ने फंक्शन नहीं किया, अब मैंने, क्योंकि मंत्री बन गए तो उसकी जगह मैं दूसरा सदस्य डालूंगा। आप स्वयं ही देखिए वाकई यह बड़ी शिकायत है और उसमें परेशान उपभोक्ताओं को भी है।...(**व्यवधान**) देखिए आप जो सुझाव देंगे अगर मानने वाली बात होगी तो जरूर लिखूंगा मगर इसका इलाज क्या है? अब बिल आता है तो वह तो जो मशीन बतायेगी उसके मुताबिक ही बिल आते हैं। अब आप ही बताइये उसको कैसे कम किया

जाए। हमने उसमें एक बात रखी है कि कोई ऐसा एपेरेंटली जो दिखता है कि उसमें ज्यादती हुई है बहुत बड़ा अन्याय उसमें हुआ है तो उसको रिबेट दे कर कम भी कर देते हैं। मगर आम तौर देखने में आया है जो बिल आता है जब डिपार्टमेंट को हम भेजते हैं तो वह कहते हैं कि साहब, यह तो बिल्कुल ठीक है। काल हुई हुई है। इसमें तो कमी हो नहीं सकती है। उसमें क्या हो सकता है यह आप लोग सुझाव दीजिए और मैं उसको जरूर सोचूंगा।

श्री मुहम्मद मसूद खान : ऐसा है मंत्री जी के सवाल के संबंध में कि मंत्री जी ने कहा कि सुझाव दीजिए तो यू०पी० में आजमगढ़ जिले में साल भर से पोल और तार गिरा है। बार-बार लिखते हैं तो उसके बाद जवाब आता है कि आपकी कंप्लेंट दर्ज कर ली गई। तो जब मंत्री जी का डिपार्टमेंट साल भर के अन्दर न ठीक कर सकता है और न खंभा खड़ा कर सकता है, तो फिर क्या सुझाव दिया जाए? मंत्री जी आप यह बताएं कि इस सुझाव का कोई असर होगा या नहीं होगा? मैं दो जो चिठियां आपको लिख चुका हूं और आपके डिपार्टमेंट को जो लिख चुका हूं तो उन सब का जवाब यह आ रहा है कि कम्प्लेंट दर्ज कर ली गई साल भर के अंदर अगर वह खंभा और तार भी न लगाया जाएगा तो टेलीफोन के उपभोक्ता क्या करेंगे, यह आप खुद सोच सकते हैं? यह आजमगढ़ का किस्सा है।

†[شری محمد مسعود خان :

ایسا ہے منتری جی کے سوال کے سلسلہ میں کہ منتری جی نے کہا کہ سجھاو دیجئے تو ہو - ہی - میں اعظم گڑھ ضلع میں سال بھر سے پول اور تار گرا ہے - بار بار لکھتے ہیں تو اسکے بعد جواب آتا ہے کہ آپکی کمپلینٹ درج کر لی گئی تو جب منتری جی کا ڈیپارٹمنٹ سال بھر کے اندر نہ تار ٹھیک کر سکتا ہے اور نہ کھمبا کھڑا کر سکتا ہے تو پھر کیا سجھاو دیا جائے - منتری جی آپ یہ بتائیں کہ اس سجھاو کا اثر ہوگا یا نہیں ہوگا - میں دو جو چٹھیاں آپکو لکھ چکا ہوں تو ان سب کا جواب یہ آ جاتا ہے کہ شکایت درج کر لی گئی سال بھر کے اندر اگر وہ کھمبا اور تار بھی نہ لگایا جائیگا تو ٹیلیفون کے اپ بھوکتا کیا کریں گے یہ آپ خود سوچ سکتے ہیں - یہ اعظم گڑھ کا قصہ ہے -]

श्री सुखराम : हो सकता है कि आपके केस में कहीं देरी हुई हो। मैं इस मान रहा हूं और को डिस्प्यूट नहीं कर रहा हूं।... (**व्यवधान**) मैं इसका कोई डिस्प्यूट नहीं कर रहा हूं। आपके हुआ होगा यह वाकया मैं इसको देखूंगा कि अगर आपके केस में बिल्कुल एबनार्मली डिले जैसे हुआ है।

श्री मुहम्मद मसूद खान : आप यह बता दीजिए कि कब तक ठीक हो जाएगा अब तक दो-दो मंत्री तो बदल चके हैं पिछले मंत्री को भी मैंने लिखा है और आपको भी लिखा है, सभी को लिखा है अब क्या तीसरे मंत्री के आने के पहले यह ठीक हो जाएगा, इतना ही मैं जानना चाहता हूं?

†[شری محمد مسعود خان :

آپ یہ بتا دیجئے کہ کیتا ٹھیک ہو جائیگا - اپنک دو دو منتری تو بدل چکے ہیں پچھلے منتری کو

ہوی میں نے لکھا ہے اور آپ کو بھی لکھا ہے - اب کیا تیسرے منتری کے آنے کے پہلے یہ ٹھیک ہو جائیگا - [انتا ہی میں جاننا چاہتا ہوں -]

श्री सुखराम : अब आप मेरे को भी मौका दीजिए मैं भी उसमें देखूंगा आप जरूर मुझको मिलिए ।

श्री मुहम्मद मसूद खान : आपको लिखकर भज दिया हैं । अब आप सिर्फ यह आश्वासन दे दीजिए कि तीसरे मंत्री के आने के पहले क्या वह ठीक हो जाएगा या नहीं ?

†[श्री محمد مسعود خان :
آپ کو لکھکر بھیجدیا ہے اب آپ صرف یہ آشواسن دیدیجئے کہ تیسرے منتری کے آنے سے پہلے کیا وہ ٹھیک ہو جائیگا یا نہیں -]

MR. CHAIRMAN: Let us hope that this Minister will be lucky for you.

श्री सुखराम : मैं आपकी शिकायत को जरूर देखूंगा और जितना जल्दी उसका समाधान हो सकेगा उसकी मैं पूरी कोशिश करूंगा ।

श्री विठ्ठल भाई मोतीराम पटेल : सभापति जी, मंत्री महोदय ने कहा कि आप सुझाव भेजिए तो फिर कोशिश करेंगे एक टलोफोल है उसके बारे में मैं उनको दो साल से लिख रहा हूं । एक आफिसर आया मैंने उनको बताया कि इस टेलीफोन नंबर से रूस टेलीफोन हुआ । पीलीभीत हुआ हिसार हुआ । मैंने कहा कि यह टेलीफोन नंबर है उस पर वहा जाकर पूछिए कि क्या हमको कोई वहां जानता है । हमारी तरफ से आप यह कीजिए । खर्चा हम देंगे । कहीं अगर यह टलीफोन है क्या यहां से टेलीफोन हुआ है और क्या मुझे कोई वहां जानता है । कुछ भी नहीं किया गया । हमको जवाब फदे दिया कि तुम्हारा बिल ठीक है । मंत्री जी मैं आपको ही बताऊ, आपने ही लिखा कि इतना-इतना गलत टेलीफोन मेरे नंबर से हुआ है । आप वहां टेलीफोन वालों को पूछिए कि मेरे से टलीफोन आया था या नहीं । वह भी इन्क्वायरी आप नहीं करते हैं और कहते हैं कि बिल दे दो । प्रधान मंत्री के वहा से उनक सूचना गई फिर भी कुछ न हुआ । तो इस एक्सैस बिलिंग के बारे आपको कुछ न कुछ हुआ है, तो कर पड़ेगा । भरा केस तो बिल्कुल साफ है रूस में टलीफोन कहां हुआ है, मैं किसी को वहां जानता नहीं हूं । रूस में कभी गया नहीं हूं, फिर भी मेरे टेलीफोन बिलिंग हुई है तो इस बारे में आप क्या करेंग ? मंत्री महोदय, हम ने आप को लिखा और आपने अपने आफिसस को भज दिया और महानगर टेलीफोन निगम तो बिल्कुल डिक्टेटरशिप चलाता । है जब किसी की सुनता नहीं है तो इससे अच्छा है आप प्राइवटाइजेशन कर दीजिए तो आपका झगड़ा ही खत्म हो जाएगा और कम्प्लेट्स भी नहीं करनी पड़ेंगी, क्या करेंगे मंत्री महोदय ?

श्री सुखराम : सर व्यक्तिगत शिकायतों का उत्तर देना तो यहां मेरे लिए मुमकिन नहीं है । उसका नोटिस देंगे तो अगर व्यक्ति गत शिकायत है, उसका उत्तर दिया जा सकता है और मैं उस भी दूंगा, लेकिन बिना नोटिस यह मेरे लए मुश्किल है । सर, मैं एक बात जरूर कहता हू कि कौनसा पैमाना मेरे पास हो सकता है जब बिल आए और आप शिकायत करते हैं कि वह गलत है । अभी आप मान रहे हैं कि आपके नगर से किसी और ने टलीफोन किए होंगे । जब आपकी कस्टडी में टलीफोन है और उसका दुरुपयोग दूसरे

व्यक्ति करते हैं तो वह जिम्मेदारी उसी व्यक्ति की होगी जिसका कि वह टेलीफोन है. . . (व्यवधान) . . . मैंने आपसे कहा कि मैं अभी बहुत जल्दी एक सदस्य को मनोनीत करूंगा कि वह जो कमेटी है उसमें आप देखें कि इस समस्या का क्या समाधान हो सकता है? आप उसकी एक्जामिन कीजिए, देखिए और जो सुझाव आप देंगे उन सुझावों पर हम जरूर गौर करेंगे और देखेंगे कि कहां तक यह मुमकिन हो सकता है।

श्री भूपेन्द्र सिंह मान : चेयरमैन सर, स्पष्ट है कि अगर बिल आते हैं तो टेलीफोन ठीक होता है तभी बिल आते हैं, लेकिन जितने दिन टेलीफोन खराब रहता है, उन दिनों के भी बिल भेज दिए जाते हैं। मैं मंत्री महोदय से यह पूछना चाहता हूं कि जितने दिन टेलीफोन खराब रहता है,उतने दिनों का बिल काटने की मंत्रीजी व्यवस्था करेंगे? दूसरे जो इनकी लाग-बुक भरी जाती है कि इतने टेलीफोन एक्सचेंज में ठीक पाए गए, वह लाग-बुक गलत भरी जाती है। उस बारे में आप कोई चैक लगायेंगे कि जो चैक करनेवाले हैं, वह ठीक से चैक करें क्योंकि वास्तव में टेलिफोन खराब होता है, लेकिन लाग-बुक में भर दिया जाता है कि टेलीफोन ठीक है। इस बारे में आप क्या करने वाले हैं?

श्री सुखराम : चेयरमैन महोदय, हमने यह भी सुविधा उपभोक्ताओं को दी है कि अगर एक हफ्ते टेलीफोन खराब रहता है तो उसका बिल हम प्रपोर्शनेटली कम करते हैं जो खर्चा पड़ता है।. . . (व्यवधान) . . . आप मेरी बात सुनिए, उसके बाद जो कहना हो कह दीजिए, अगर दो हफ्ते से ज्यादा टेलीफोन खराब रहता है, तो सारे महीने का जो रेंट वगैरा है, वह माफ किया जाता है।

कुमारी सरोज खापर्डे : मैंने सोचा था कि इस संदाय में शायद बिल के बारे में चर्चा नहीं होगी, लेकिन चर्चा हो रही है और होनी भी चाहिए मगर मंत्रीजी खुद इतने अच्छे हैं और उनके जवाब भी इतने सुन्दर हैं कि उसका कोई हिसाब नहीं है, इस सबके बावजूद मैं सदन के सामने अपनी परेशानी रखना चाहूंगी। सर, मेरा एक टेलीफोन मेंबर आफ पार्लियामेंट की कैपेसिटी में है और मैं सारे काल्स उसी टेलीफोन से करती हूं। दूसरा मेरा प्राइवट टेलीफोन है। उस पर 150 काल्स फ्री होते हैं, लेकिन मैं उन 150 काल्स में से एक भी काल इस्तेमाल नहीं करती हूं, लेकिन उसके बाद भी मुझे फैट अमाउंट्स के बिल आते हैं। सर, पिछले एक साल से इनके मंत्रालय से संपर्क कर रही हूं। पत्र-व्यवहार के माध्यम से मैंने मंत्रीजी को चिट्ठी लिखी है, लेकिन मेरी चिट्ठी का एकनालेजमेंट तक नहीं आया है। अगर हम संसद सदस्यों का यह हाल है तो आम पब्लिक की क्या हालत होगी? क्या इस बारे में हमारे माननीय मंत्री महोदय जोकि बहुत अच्छे हैं और सुन्दर जवाब देते हैं, वह इस सम्बन्ध में प्रकाश डालेंगे?

श्री दिनेश भाई त्रिवेदी : आपके जनरल मैनेजर मिलते तक नहीं हैं संसद सदस्यों को और करप्शन इतना बढ़ गया है कि अच्छा रहेगा अगर आप इसका प्राइवेटाइजेशन कर दें।

श्री दिग्विजय सिंह : तीन-तीन महीने में जवाब आता है आपके विभाग से। आपका जो प्राइवेट सेक्रेटरी है, वह अपने को बादशाह समझता है।

श्री सुख राम : अगर आप बोल लें तो उसके बाद मैं जवाब दूं।

श्री दिग्विजय सिंह : क्या बोलेंगे? एक जवाब भी आप सही दे नहीं पाए। गोलमोल जवाब दे रहे हैं।

कु० सरोज खापर्डे : देखिए, हमारे मंत्री बहुत अच्छे हैं, क्यों इतनी जोर से बोल रहे हैं?

श्री दिग्विजय सिंह : जोर से नहीं बोलेंगे, यह क्या जवाब दे रहे हैं।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : सर, मैं एक बात अपने टेलीफोन के सिलसिले में बता दूं।... (व्यवधान)

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی:
میں ایک بات اپنے ٹیلیفونوں کے
سلسلے میں بتا دوں .. (مداخلت)]

MR. CHAIRMAN: You want to ask a question... *(Interruption)...*

श्री सुख राम : सर, उसमें... (व्यवधान)

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : चेयरमैन साहब, अगर आपकी इजाजत हो तो एक सवाल मैं कर लूं।

†[مولانا عبید اللہ خاں اعظمی:
چیرمین صاحب - اگر آپکی اجازت
ہو تو ایک بات میں کر لوں -]

MR. CHAIRMAN: Let the Minister answer. If you want to ask a question, you raise your hand... *{Interruption)...* If you want to ask a question, raise your hand.

(Interruptions)

श्रीमती सत्या बहिन : जब आपकी सरकार थी तब मंत्रियों के दरबार में एम.पी. भी नहीं घुस पाते थे।... (व्यवधान)...

श्री दिग्विजय सिंह : आप बताइये, कब आपके साथ ऐसा हुआ?.. (व्यवधान)

श्रीमती सत्या बहिन : इधर माननीय सदस्य बैठे हैं, यह मान रहे हैं। ... ... (व्यवधान)...

† [] Trarsliteration in Arabic Script.

MR. CHAIRMAN: Please allow the Minister to answer. If you talk amongs yourselves, he cannot go ahead. *(Interruptions)*

SHRI RAJNI RANJAN SAHU; Si please protect the Members____ *(Interu ruptions)...* Sir, you protect the Mem bers ...(Interruptions)... We want *to* ask questions.

(Interruptions)

SHRl DINESHBHAI TRIVEDI: Sir there should be a Half-an-Hour Discus sion on this.

MISS SAROJ KHAPARDE: Sir, I de mand that there should be a Half-an Hour Discussion on it... *(Interrup tions)...*

MR. CHAIRMAN; Is the Ministe willing to agree to that?

श्री सुखराम : सर, एसा है, क्वैश्चन तो हरियाणा पर है। ... (व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: Let a notice be given.

श्री दिग्विजय सिंह : बहुत सुन्दर कहा मंत्री जी ने। सर, हाफ एन आवर।... (व्यवधान)...

MR. CHAIRMAN: For Half.an-Hou Discussion you have to give a notice an we will consider it... *(Interruptions)..* Please give a notice, we will consider i' Then may I go to the next question which is also about telephones?... *(In terruptions)...* Q. No. 23. Shri Ramda ... *(Interruptions)* Shri Ramdas Agar wal. Q. No. 23.

Telephone services in Delhi

*23. SHRI RAMDAS AGARWAL Will the Minister of COMMUNICATION TIONS be pleased to state;

(a) whether it is a fact that man faults crept into the cables laid to MTNL causing inconvenices to over